रायपुर : मुख्यमंत्री युवा स्वावलम्बन योजना के अंर्तगत विद्यार्थियों को प्रशिक्षण : "रोजगार के लिए उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप विद्यार्थियों की क्षमता का विकास"

"छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य जिसने जारी की विद्यार्थियों की एम्प्लॉयबिलिटी रिपोर्ट" देश की प्रसिध्द आई.टी. कम्पनियों में इंटरव्यू की तैयारी के लिए मिलेगा तीन माह का निःशुल्क प्रशिक्षण।

रायपुर, 07 सितम्बर: 2017

छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसायटी (चिप्स) द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा स्वावलम्बन योजना के अंर्तगत बैकिंग एवं आई.टी. क्षेत्र के लिए इंजिनियरिंग एवं गैर इंजीनियरिंग स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा। चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एलेक्स पॉल मेनन ने यह जानकारी देते हुए बताया की राज्य के सभी स्नातक स्तर के विद्यार्थी इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। श्री मेमन ने कहा कि इंस्टीट्यूट ऑफ बैकिग पर्सनल सलेक्शन (IBPS) की तैयारी के लिए सभी विद्यार्थियों को एक माह का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा। राज्य के सभी स्नातक स्तर के विद्यार्थी वेब पोर्टल - www.talentsprint.com/chips पर जाकर अपना पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा देश के प्रतिष्ठित आई.टी. कम्पनियों में होने वाले इंटरव्यू की तैयारी के लिए भी तीन माह के प्रशिक्षण की व्यवस्था राज्य शासन द्वारा की गई है। फ्री टेस्ट बडी के माध्यम से देश के प्रतिष्ठित आई.टी. कम्पनियों के टेस्ट पेपर तीन माह के लिए निःशुल्क उपलब्ध होंगे। राज्य के सभी स्नातक स्तर के विद्यार्थी वेब पोर्टल - www.talentsprint.com/tb-mysy.dpl पर जाकर अपना पंजीयन कर सकते हैं।

योजना के प्रथम चरण में कुल 12 हजार इंजिनियरिंग तथा गैर इंजिनियरिंग स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया है। जिनका एम्प्लॉयबिलिटी असेंसमेंट (Employablity) कर प्रशिक्षण प्रदान दिया जा चुका है। एमकेट परीक्षा में बैंच मार्क स्कोर प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कम्पनियों की आवश्यकता अनुसार छत्तीसगढ़ अथवा छत्तीसगढ़ से बाहर प्लेसमेंट का कार्य जारी हैं। योजना के दूसरे चरण में अक्टूबर माह से 5 जिलों के 51 महाविद्यालयों के शेष 13 हजार विद्यार्थियों को एम्प्लॉयबिलिटी असेंसमेंट कर प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन विद्यार्थियों का प्लेसमेंट नवम्बर माह से प्रांरभ होगा।

उल्लेखनीय है कि राज्य में अनेक प्रमुख राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों जैसे- आई.आई.टी., एम्स, एन.आई.टी., एच.एन.एल.यू., ट्रिपल आई.टी, आई.आई.एम. आदि की उपस्थिति के कारण छत्तीसगढ़ ने स्वयं को देश में एजुकेशन हब के रूप में स्थापित कर लिया है। परन्तु राज्य के स्नातक होने वाले विद्यार्थियों और रोजगार पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या के बीच अंतर है। इस अंतर को समाप्त करने के लिए राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री युवा स्वावलंबन योजना प्रारंभ की है। इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। यह देखा गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाओं के क्षेत्र में नियोक्ता रोजगार देने के पूर्व छात्रों को अपनी तकनीकी आवश्यकता के अनुरूप कौशल प्रदान

करने के लिए प्रशिक्षण देते हैं। इसी बात को ध्यान रखते हुए राज्य शासन ने उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप विद्यार्थियों की रोजगार प्राप्त करने की योग्यता (Employablity) बढ़ाने का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री युवा स्वावलंबन योजना के संचालन से राज्य की प्रतिभाओं को तकनीकी रूप से दक्ष करते हुए छत्तीसगढ़ की विश्वसनीयता स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में अनेक कम्पनियां रोजगार की अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए छत्तीसगढ़ आने पर विचार करेंगी।

राज्य शासन का प्रयास है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे विद्यार्थियों में से अधिक से अधिक के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध हों। इस योजना के माध्यम से प्रशिक्षित जनशक्ति उपलब्ध होने से स्थानीय आईटी/आईटीईएस उद्योग को भी और अधिक गति मिलेगी। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों से अन्य विद्यार्थियों को भी तकनीकी कौशल बढ़ाने की प्रेरणा मिलेगी।